ओमशान्ति मीडिया

वर्ष - 28 | मई -2026 | अंक - 05 | माउंट आबू | Rs.- 20

विश्व धरातल पर मानवीय मूल्यों की आध्यात्मिक शिल्पकार

शांतिवन-आबू तेंद (राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी की छठवीं पुण्यतिथि भावपूर्ण मनाई गई। इस दौरान राजस्थान सरकार के स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर भी दादी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देने ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शांतिवन पहुंचे। जहाँ उन्होंने दादी के समाधि स्थल शक्ति स्तम्भ पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि दादी जानकी ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की आधार स्तम्भ रहीं। वे लगातार देश और दुनिया भर में मानवता का प्रचार-प्रसार करती रहीं। वे नारी शक्ति की प्रेरणा स्रोत थीं। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान उनके निर्देशन में लेकर आज तक समाज को मन और तन से मजबूत करने का कार्य कर रहा है। दादी के स्मृति दिवस पर संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी ने कहा कि दादी के कदम पूरी दुनिया में ईश्वरीय पैगाम के लिए उठते रहे है। उनकी खुद के लिए नहीं बल्कि समाज के लिए हमेशा ही सोच रही। जाति, धर्म, रंग, भाषा भेद की सारी दीवारें तोड़ी। एक समाज, नयी दुनिया का निर्माण ही उनका लक्ष्य रहा। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मुन्नी दीदी तथा राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी ने कहा कि दादी में हमेशा मातृत्व का प्यार मिलता रहा। चाहे वे कुछ बोलें या ना बोलें परन्तु उनका वायब्रेशन बहुत सुकून देता था। इस अवसर पर संस्थान के महासचिव राजयोगी ब्र.कु. करुणा ने कहा कि दादी ने अंतिम सांस तक पूरी दुनिया का चक्कर लगाकर इतिहास रच दिया था। उनके कदमों में केवल लोक कल्याण की भावना थी। इस दौरान स्थानीय विधायक समाराम गरासिया, भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. रक्षा भंडारी, पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश कोठारी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. सुदेश दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी, अतिरिक्त महासचिव राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय, डॉ. प्रताप मिड्ढा, राजयोगी ब्र.कु. मोहन सिंघल भी मौजूद रहे।

दादीजी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. मुन्नी दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. राज दीदी,नेपाल सहित अन्य वरिष्ठ बहनें।

दादी जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राजस्थान सरकार के स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर।

दादी जानकी की छठवीं पुण्यतिथि के अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ भाई-बहनों ने स्मरण करते हुए कहा कि दादी सिर्फ ईश्वरीय सेवा में तत्पर नहीं रहती थीं, बल्कि वे आंतरिक उन्नति कभी नहीं भूलती थीं। इस वजह से वे सारे कारोबार संभालते हुए भी लाइट रहती थीं। उन्होंने कभी भी बाबा की मुरली मिस नहीं की। उनके दिल में हमेशा बाबा और बाबा की सेवा तथा ईश्वरीय परिवार रहा। गुह्य ज्ञान बिंदुओं को वह सहजता से स्पष्ट करती, जो दूसरों के दिल में समा जाते थे। दादी का जीवन एक खुली किताब की तरह था। कोई भी, कभी भी उससे सहजता से मिलता भी और समाधान भी पाता। दादी सत्यता, सादगी व बाबा में अटूट निश्चय की साक्षात मूर्त थीं। उनका जीवन आज भी हम सभी ब्रह्मावत्स के लिए न सिर्फ प्रेरणादायी किन्तु अनुकरणीय भी है। आज भी दादी भले साकार रूप में हमारे बीच नहीं है फिर भी हर पल हमें अनुभव होता है कि वे हमारे साथ है। क्योंकि उनका जीवन ही हमें हरपल आत्म उन्नति के लिए प्रेरित करता है। उनकी पुण्यतिथि पर सर्व ब्रह्मावत्स भाई-बहनें दिल की गहराइयों से भावपूर्ण श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।